

जय जय गिरिवर राज किशोरी

जय जय गिरिवर राज किशोरी ।
जय महेश मुख चन्द चकोरी...-2

जय गजबदन षडाननमाता ।
जगत जननी दामिनी दुति गाता ॥

देबि पूजि पद कमल तुम्हारे।
सुर नर मुनि सब होहिं सुखारे ॥
मोर मनोरथु जानहु नीकें।
बसहु सदा उर पुर सबहीं के ॥
कीन्हेऊँ प्रगट न कारन तेहीं।
अस कहि चरन गहे बैदेही ॥
जय गजबदन षडाननमाता ।
जगत जननी दामिनी दुति गाता.....

बिनय प्रेम बस भई भवानी।
खसी माल मूरति मुसकानी ॥
सादर सियँ प्रसादु सर धरेऊ ।
बोली गैरी हरषु हियँ भरेऊ ॥
सुनु सिय सत्य असीस हमारी ।
पूजिहि मन कामना तुम्हारी ॥
नारद बचन सदा सूचि साचा ।
सो बरु मिलिहि जाहिं मनु राचा ॥
जय गजबदन षडाननमाता ।
जगत जननी दामिनी दुति गाता.....

नहिं तव आदि मध्य अवसाना ।
अमित प्रभाउ बेदु नहिं जाना ॥
भव भव विभव पराभव कारिनि।
विश्व बिमोहनि स्वबस बिहारिनि ॥
पति देवता सुतीय महुँ मातु प्रथम तव रेख।
महिमा अमित न सकहिं कहि सहस् सारदा सेष ॥
सेवत तोहि सुलभ फल चारी।बरदायनी पुरारी पिआरी ॥
मोर मनोरथु जानहु नीकें। बसहु सदा उर पुर सबहीं के ॥
कीन्हेऊँ प्रगट न कारन तेहीं।अस कहि चरन गहे बैदेही ॥
जय जय गिरिवर राज किशोरी ।
जय महेश मुख चन्द चकोरी ॥
जय गजबदन षडाननमाता ।
जगत जननी दामिनी दुति गाता ॥

सिया राम..... सिया राम..... सिया राम..... सिया राम.....

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/22825/title/jai-jai-girivar-raj-kishori>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |